

## चाँद के अनदेखे हिस्से का पता लगाने के लिये चीन ने लॉन्च किया 'रलि' सैटेलाइट

### चर्चा में क्यों?

चीन ने चाँद के रहस्यमयी अंधकारयुक्त हिस्से की जानकारी एकत्र करने के लिये एक रलि सैटेलाइट लॉन्च किया है। यह सैटेलाइट लॉन्ग मार्च 4 सी रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया। चीन का लक्ष्य रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ 2030 तक एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति बनना है।

### महत्त्वपूर्ण बिंदु

- इस सैटेलाइट का नाम क्यूकीओ (Queqiao) या मैगपी ब्रिज (Magpie Bridge) है। यह नाम चीन की एक प्राचीन लोककथा के नाम पर रखा गया है।
- इस उपग्रह का वजन 400 किलोग्राम है तथा यह 3 वर्षों तक कार्य करेगा।
- इस उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ ही वह चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र की स्थिति की जाँच करने के लिये उपग्रह भेजने वाला पहला देश बन गया है।
- चंद्रमा के इस सुदूरवर्ती क्षेत्र को अंधकारयुक्त क्षेत्र (dark side) भी कहते हैं क्योंकि यह पृथ्वी से काफी दूरी पर है तथा तुलनात्मक रूप से अज्ञात है।
- चीन का यह उपग्रह चंद्रमा के अंधकारयुक्त सतह का बड़े पैमाने पर अध्ययन करेगा।
- यह उपग्रह पृथ्वी से 455,000 किलोमीटर (282,555 मील) की दूरी में स्थापित होगा और वहाँ काम करने वाला दुनिया का पहला संचार उपग्रह होगा।

### विविध चुनौतियाँ

लॉन्च एक "महत्त्वपूर्ण कदम" है लेकिन सैटेलाइट के मशिन को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिसमें शामिल हैं:

- कक्षा में कई प्रकार के समायोजन करना,
- चंद्रमा के पास 'ब्रेक लगाना' (braking),
- अपने लाभ के लिये चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण का उपयोग करना आदि।

### पृष्ठभूमि

- चीन ने 2003 में अपना पहला क्यूड स्पेस मशिन आयोजित किया था।
- इसके साथ ही वह रूस और अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला तीसरा देश बन गया था।
- उसने कक्षा में दो अंतरिक्ष स्टेशनों की स्थापना भी की थी।
- इससे पहले चीन ने चंद्रमा पर अपने जेड रैबिट रोवर को उतरा था और अगले साल इसकी योजना वहाँ अपनी चांग 5 प्रोब लॉन्च करने की है।

### आगे की योजना

- चीन के अगले मशिनों में 20-टन कोर मॉड्यूल को लॉन्च करना शामिल है।
- इसके साथ ही 60-टन स्टेशन, जो कि 2022 में ऑनलाइन आएगा, के लिये घटक भेजने की भी योजना है।
- चीन की योजना 2020 के मध्य तक एक मार्स रोवर भेजने की भी है।
- आने वाले साल में चीन अपना मानव अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण शुरू करने की योजना भी बना रहा है।